बाइबल में “प्रतिशोध” या “बदला” का सही अर्थ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

“बदला लेना” या “प्रतिशोध करना” बाइबल के संदर्भ में इसका तात्पर्य है कि परमेश्वर पाप या अवज्ञा के कारण किसी व्यक्ति या राष्ट्र को सुधारने या न्याय देने के लिए हस्तक्षेप करता है। जब कोई कहता है कि “परमेश्वर ने उसे मारा”, तो इसका अर्थ यह नहीं कि परमेश्वर ने क्रोध में उसे नष्ट किया, बल्कि यह कि उसने अनुशासन के रूप में उसे सुधारा।

क्या परमेश्वर सच में लोगों को दंड देता है?

हाँ, बाइबल स्पष्ट रूप से सिखाती है कि परमेश्वर न केवल दुष्टों को, बल्कि अपने चुने हुए लोगों को भी अनुशासित करता है जब वे उसकी आज्ञाओं से भटक जाते हैं। लेकिन उसका यह दंड कभी भी प्रतिशोध की भावना से प्रेरित नहीं होता — उसका उद्देश्य हमेशा पश्चाताप और पुनर्स्थापन होता है।

“जिससे यहोवा प्रेम रखता है, उसी को वह ताड़ना देता है, जैसे पिता
उस पुत्र को जिस से वह प्रसन्न रहता है।”
— नीति वचन 3:12 (ERV-HI)

परमेश्वर की ताड़ना उसके क्रोध की नहीं, बल्कि उसके प्रेम की पहचान है। वह हमें इसलिए सुधारता है ताकि हम फिर से उसकी इच्छा के अनुसार चलें, न कि हमें नष्ट करने के लिए।

बाइबल में “प्रतिशोध” या “बदला” का सही अर्थ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

दंड का उद्देश्य — मन फिराव के लिए बुलावा

जब कोई व्यक्ति, राष्ट्र या पूरी दुनिया संकट में पड़ती है, तो वह समय एक आत्मिक चेतावनी हो सकता है। परमेश्वर ऐसे समय का उपयोग करता है ताकि लोग अपने पापों से मुड़ें और उसकी ओर लौटें।

“यदि मेरी प्रजा, जो मेरे नाम से कहलाती है, दीन होकर प्रार्थना
करे, और मेरा दर्शन पाए, और अपनी बुरी चाल से फिर जाए, तो मैं
स्वर्ग में से सुनूंगा और उनका पाप क्षमा करूंगा और उनके देश को
चंगा करूंगा।”
— 2 इतिहास 7:14 (ERV-HI)

जब हम सच्चे मन से मन फिराते हैं, तब परमेश्वर अक्सर न्याय को हटाता है और पुनर्स्थापित करता है।

योना भविष्यवक्ता का उदाहरण

इसका एक स्पष्ट उदाहरण है योना भविष्यवक्ता, जो परमेश्वर की बुलाहट से भागना चाहता था। उसने सोचा कि वह परमेश्वर की आज्ञा से बच सकता है, लेकिन समुद्री तूफान में पड़ गया और एक बड़ी मछली ने उसे निगल लिया।

बाइबल में “प्रतिशोध” या “बदला” का सही अर्थ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“तब यहोवा ने एक बड़ी मछली को ठहराया कि योना को निगल जाए; और वह
मछली के पेट में तीन दिन और तीन रात रहा।”
— योना 1:17 (ERV-HI)

योना की पीड़ा ने उसे पश्चाताप की ओर ले गया। उसने मछली के पेट से प्रार्थना की, और परमेश्वर ने उसे छुड़ाया तथा दोबारा अवसर दिया (योना 2–3)। यह दिखाता है कि परमेश्वर की ताड़ना विनाश के लिए नहीं, सुधार के लिए होती है।

पाप का पीढ़ी-दर-पीढ़ी प्रभाव

बाइबल यह भी सिखाती है कि पाप का प्रभाव आने वाली पीढ़ियों पर भी पड़ सकता है:

“तू उनको दण्डवत् न करना और न उनकी सेवा करना; क्योंकि मैं यहोवा
तेरा परमेश्वर, जलन करने वाला परमेश्वर हूं; जो मुझसे बैर रखते
हैं, उनके लड़कों के लिए भी पितरों के अधर्म का दण्ड देता हूं, तीसरी और चौथी पीढ़ी तक;”
— निर्गमन 20:5 (ERV-HI)

बाइबल में “प्रतिशोध” या “बदला” का सही अर्थ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

इसका अर्थ यह नहीं कि परमेश्वर निर्दोषों को दंड देता है, बल्कि यह कि यदि पीढ़ियों तक पाप चलते रहते हैं, तो उसका प्रभाव बना रहता है। लेकिन पश्चाताप और आज्ञाकारिता से यह चक्र तोड़ा जा सकता है।

“वह अपराधी को किसी प्रकार से निर्दोष नहीं ठहराता; वरन् पितरों
के अधर्म का दण्ड उनके लड़कों, पोतों और परपोतों तक देता है।”
— निर्गमन 34:7 (ERV-HI)

आत्मिक युद्ध और विश्वासियों की अधिकारिता

यीशु मसीह में हमें आत्मिक शत्रु के विरुद्ध खड़े होने का अधिकार मिला है। हम प्रार्थना, सत्य और परमेश्वर के वचन के द्वारा शैतानी किलों को तोड़ सकते हैं।

“यद्यपि हम शरीर में चलते फिरते हैं, तौभी शरीर के अनुसार युद्ध
नहीं करते। क्योंकि हमारी युद्ध करने की हथियार शारीरिक नहीं,
परन्तु परमेश्वर के सामर्थी हैं, जिनसे किले ढाए जाते हैं।”
— 2 कुरिन्थियों 10:3–4 (ERV-HI)

बाइबल में “प्रतिशोध” या “बदला” का सही अर्थ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“हम कल्पनाओं और हर एक ऊँचे विषय को जो परमेश्वर की पहचान के
विरोध में उठता है, ढा देते हैं, और हर एक विचार को बन्दी बनाकर
मसीह का आज्ञाकारी बना देते हैं।”
— 2 कुरिन्थियों 10:5 (ERV-HI)

विश्वासी परमेश्वर की सच्चाई का प्रचार करके, प्रलोभन का विरोध करके और दूसरों के लिए प्रार्थना करके शैतान के कार्यों पर आत्मिक रूप से प्रतिघात कर सकते हैं।

आत्मिक अनुशासन और युद्ध कैसे करें?

प्रार्थना के द्वारा

“हर समय और हर प्रकार की प्रार्थना और विनती के द्वारा आत्मा में प्रार्थना करते रहो।”
— इफिसियों 6:18 (ERV-HI)

परमेश्वर के वचन के द्वारा

बाइबल में “प्रतिशोध” या “बदला” का सही अर्थ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

“क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित और प्रभावशाली और हर एक दोधारी
तलवार से भी तीव्र है।”
— इब्रानियों 4:12 (ERV-HI)

सुसमाचार प्रचार के द्वारा

“वचन को प्रचार कर; समय पर और समय के बाहर तैयार रह; डांट, चितावनी
कर, और सब प्रकार के धीरज और शिक्षा से समझा।”
— 2 तीमुथियुस 4:2 (ERV-HI)

परमेश्वर की ताड़ना जीवन देती है

परमेश्वर का न्याय कभी व्यर्थ नहीं होता। उसका उद्देश्य होता है लोगों को पश्चाताप की ओर ले जाना, धार्मिकता को पुनर्स्थापित करना और हमें अपने निकट लाना। जिस प्रकार एक प्रेमी पिता अपने बच्चे को सुधारता है, उसी प्रकार परमेश्वर भी अपने बच्चों को उनके भले के लिए अनुशासित करता है।

बाइबल में “प्रतिशोध” या “बदला” का सही अर्थ

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

“तुम दु:ख को ताड़ना समझकर सह लो; परमेश्वर तुम्हारे साथ पुत्रों
जैसा व्यवहार करता है; क्योंकि ऐसा कौन सा पुत्र है, जिसे पिता
ताड़ना नहीं देता?”
— इब्रानियों 12:7 (ERV-HI)

आओ हम नम्रतापूर्वक उसकी ताड़ना को स्वीकार करें, अपने पापों से मुड़ें और उस स्वतंत्रता और अधिकार में चलें जो मसीह ने हमें दिया है।

मरानाथा! — हे प्रभु यीशु, आ जा!

Share on:
WhatsApp